हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त, 2025

12 101 गोशालाओं को 6 करोड़ 50 लाख रुपये की की अनुदान राशि दी

12 करोड़ों खर्च कर बना इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम ताले में बंद...

खबर संक्षेप

बाबा रामदेव जागरण आज रात, तैयारियां पूरी

फतेहाबाद। जय बाबा रामदेव समिति की ओर से बाबा रामदेव का 33वां विशाल जागरण रेगर बस्ती के नजदीक धर्मशाला रोड पर 24 अगस्त की रात को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस जागरण में मुख्यातिथि के तौर पर विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, प्रमुख समाजसेवी देवीदयाल तायल, नगर परिषद के प्रधान राजेंद्र खिंची, जिला परिषद की चेयरपर्सन सुमन खीचड़ आदि उपस्थित होंगे।

ड्रोन उड़ाए जाने पर पाबंदी, धारा 163 लागू

सिरसा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सिरसा दौरे के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त जिलाधीश वीरेंद्र सहरावत ने आगामी 23 व 24 अगस्त को सिरसा व डबवाली नगर परिषद क्षेत्र के पांच किलोमीटर के दायरे में तथा गांव आसाखेड़ा व साथ लगते क्षेत्र में धारा 163 लागू करते हुए ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया है।

बिजली कर्मचारी लापता तलाश में जुटी पुलिस

फतेहाबाद। फतेहाबाद के गांव भिरड़ाना से एक बिजली कर्मचारी के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भूथनकलां निवासी नरेन्द्र कुमार ने कहा है कि वह अब गांव भिरड़ाना में राधाकृष्ण मंदिर के पास किराये के मकान में रहता है। गत दिवस वह गांव भिरड़ाना बगया था और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा है।

सड़कों पर दौड़ेगा जोश, गुंजेगा नशा मुक्ति का संदेश

डबवाली में यूथ मैराथन आज सीएम सैनी दिखाएंगे हरी झंडी

अबतक 65 हजार 400 से अधिक ने करवाया पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

नशे के विरुद्ध जन जागरूकता के लिए डबवाली में रविवार को सुबह छह बजे नई अनाजमंडी में यूथ मैराथन का आयोजन होगा। इस यूथ मैराथन में व्यापक स्तर पर युवाओं की भागीदारी होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी यूथ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यूथ मैराथन के लिए अबतक 65 हजार 400 से अधिक ने पंजीकरण करवाया हैं। यूथ मैराथन में विभिन्न आयु वर्गों के पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों को छह लाख 29 हजार रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। यूथ मैराथन में पुरुष व महिला विजेताओं को अलग-अलग नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। ओवरऑल श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 50 हजार, द्वितीय स्थान को 37,500 और तृतीय स्थान को 25,000 का नकद इनाम मिलेगा। इसके अलावा, 21.1 किलोमीटर स्पर्धा में अंडर-18, 18 से 45, 45 से 60 और 60 प्लस आयु वर्ग श्रेणियों में विजेताओं को क्रमशः 10 हजार, 7,500 और पांच हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं 10 किलोमीटर दौड़ में ओवरऑल विजेता को 25 हजार रुपये, दूसरे स्थान को 15 हजार रुपये और तीसरे स्थान को 10 हजार रुपये मिलेंगे। आयु वर्ग के हिसाब से अंडर-18, 18 से 45, 45 से 60 और 60 प्लस प्रतिभागियों को विजेता के रूप में 7,500, प्रथम रनर-अप को पांच हजार रुपये और द्वितीय रनर-अप को तीन हजार रुपये की राशि दी जाएगी। प्रतिभागियों की आयु की गणना आयोजन की तिथि 24 अगस्त 2025 के अनुसार की जाएगी। यूथ मैराथन के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। लोकप्रिय कलाकार एमडी देसी रॉक स्टार अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे।

सिरसा। मैराथन रूट का निरीक्षण करते एसडीएम अर्पित संगल।

एसडीएम अर्पित संगल ने किया यूथ मैराथन के रूट का निरीक्षण, दिए निर्देश

एसडीएम अर्पित संगल ने शनिवार को यूथ मैराथन के लिए निर्धारित रूट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित रूट पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर की जाए ताकि धावकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि धावक निर्धारित रूट पर दौड़े इसके लिए संकेतक लगाने के साथ ही पुलिस की ड्यूटियां भी निर्धारित की गई है। इसके अलावा रूट पर मेडिकल, पेयजल व्यवस्था की जाएगी। मैराथन को देखते हुए भी कुछ रूट पर ट्रैफिक को पुलिस द्वारा डायवर्ट भी किया गया है।

सीएम सैनी ने सिरसा में अधिकारियों की ली बैठक

विकास कार्यों में गति लाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को सिरसा में अधिकारियों की बैठक ली और जिले की लंबित परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा में पूरे किए जाएं, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने सिरसा के श्री गौशाला में आयोजित गौशाला चारा अनुदान वितरण समारोह में जिला की 138 गौशालाओं को नौ करोड़ 83 लाख 25 हजार 450 रुपये की अनुदान राशि के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2018 से वर्ष 2022 के बीच की सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग से जुड़ी विभिन्न घोषणाओं में हुई देरी के संबंध में अधीक्षण अभियंता से जवाब तलब किए। इन घोषणाओं में कुसुंभी, सुरेरां, आसाखेड़ा माइनर तथा जंडवाला, फग्गु, लंबी, तेजाखेड़ा, चौटाला डिस्ट्रीब्यूटरी की रिमॉडलिंग कार्य व माधोसिंघाना गांव के पास शेरांवाली कनाल के ब्रिज को चौड़ा करने की घोषणाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन कार्यों में हुई देरी को लेकर जिम्मेवारी तय की जाए और यह बताया जाए कि किस अधिकारी के पास कितने समय तक फाइलें लंबित रही। मुख्यमंत्री ने मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों को अनाजमंडी सिरसा में नई सीवरेज प्रणाली, सिरसा शहर के बाहर अतिरिक्त अनाजमंडी स्थापित कर वहां सब्जी मंडी व लक्कड़मंडी के शिफ्टिंग के कार्य, नगर परिषद के नए भवन निर्माण कार्यों संबंधी घोषणाओं पर त्वरित कार्रवाई करने की भी हिदायत दी।

गिलाखेड़ा में प्रवासी मजदूर की हत्या का मामला

आरोपी 2500 किमी दूर से काबू

- पत्नी को भगाने की रंजिश में की गई थी हत्या, आंध्र प्रदेश से दबोचा गया आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के गांव ढाणी गिल्लाखेडा में हुए प्रवासी मजदूर हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए जिले की सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को 2500 किलोमीटर दूर आंध्र प्रदेश से काबू करने कामयाबी हासिल की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के तहत की गई। आरोपी को तकनीकी विश्लेषण, सतत निगरानी और योजनाबद्ध छापेमारी के जरिए ट्रेस किया गया। नियमानुसार डिटेन कर शनिवार को फतेहाबाद लाया गया है। यह सनसनीखेज मामला 16 अगस्त को सामने आया था, जब गांव ढाणी गिल्ला खेडा में एक प्रवासी मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीआईए प्रभारी इंस्पेक्टर कुलवीर सिंह ने बताया कि तकनीकी सर्विलांस, मोबाइल लोकेशन ट्रेसिंग और खुफिया सूत्रों की मदद से हत्या में शामिल व्यक्ति की पहचान प्रमोद दास निवासी कवटगमा, जिला मधेपुरा (बिहार) के रूप में हुई। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था, जिससे उसकी गिरफ्तारी एक बड़ी चुनौती बन गई थी।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में हत्या मामले में गिरफ्तार युवक।

जिला पार्षदों ने चेयरमैन और सीईओ के खिलाफ खोला मोर्चा

- फंड आवंटन में लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। पंचायत भवन में चेयरमैन व सीईओ के खिलाफ धरना देते जिला परिषद के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

जिला परिषद के चेयरमैन कर्ण चौटाला व सीईओ सुभाष चंद्र द्वारा जनप्रतिनिधियों से किए जा रहे गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के विरोध में जिला पार्षदों द्वारा सांझा मोर्चा का गठन कर पंचायत भवन में धरना दिया गया। धरने पर जिला पार्षद प्रतिनिधि हैप्पी रानियां, जिला पार्षद जगदेव सिंह निक्का, नंदलाल बैनीवाल, बलकरण सिंह भंगू, बलविंद्र बराड़, गुरचरण सिंह फौजी, संदीप कौर, संतोष गोदारा, कमलजीत कौर, सतगुरु सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर जिला पार्षद प्रतिनिधि हैप्पी रानियां ने कहा कि जिला परिषद का चुनाव हुए तीन साल का समय हो चुका है, लेकिन इन तीन सालों में चेयरमैन व सीईओ द्वारा आपस में सांठगांठ करके हाऊस की मीटिंग अब तक सिर्फ पांच बार ही बुलाई गई है। विपक्ष के पार्षदों द्वारा अपने क्षेत्र के विकास के लिए जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन प्रस्तावों पर चेयरमैन व सीईओ द्वारा एक रूपया भी मंजूर नहीं किया गया है। इस मामले को लेकर जब जिला पार्षद सीईओ से बातच करते हैं तो उनका स्पष्ट जवाब होता है कि चेयरमैन की कोठी पर जाकर उनसे मिलो।

1500 नशीली गोलियों सहित दो गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए टोहाना पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली दवाओं सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान बलवंत सिंह उर्फ गोरा तथा बलवंत सिंह उर्फ भुरी, निवासी कडैल, थाना मुनक, जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर की गई दबिश के दौरान इनके पास से कमर्शियल मात्रा में 1500 नशीली टैबलेट्स बरामद की है। सीआईए टोहाना प्रभारी उप-निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि एएसआई सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम दमकौरा रोड स्थित नहर पुल, गांव रहनवाली के पास गश्त पर थी। तभी उन्हें सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल पर भारी मात्रा में नशीली गोलियों की सप्लाई के इरादे से आए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

मंच पर फ्लैक्स में फोटो न होने की बात पहुंची हाईकमान तक

भाजपा संगठन व पूर्व विधायक में स्पष्ट नजर आई खींचतान

- 30 साल बाद बड़ोपल आए मुख्यमंत्री ने कुछ नहीं दिया, पूर्व विधायक की अपने ससुराल में हुई किरकिरी

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। सीएम को सम्मानित करते पूर्व विधायक दुड़ाराम व बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा। फोटो: हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह की बड़ोपल रैली में पूर्व विधायक दुड़ाराम और भाजपा संगठन के बीच एक बार फिर से सब कुछ ठीकठाक नहीं रहा। मुख्यमंत्री की गौशाला में आयोजित चारा अनुदान वितरण समारोह के लिए बनाए गए मंच पर लगाए गए फ्लैक्स पर मुख्यमंत्री के साथ केवल पूर्व विधायक ही फोटो दिखाई दिया। भाजपा जिला संगठन के किसी पदाधिकारी का फोटो नहीं था। बताया गया है कि फोटो का मुद्दा सीएम के पहुंचने से पहले ही चण्डीगढ़ तक पहुंच गया। जहां पर बिना फोटो वाले फ्लैक्स को हटाने को कहा गया लेकिन फ्लैक्स हटाने की हिम्मत किसी की नहीं हुई। यही नहीं, भाजपा जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा व पूर्व विधायक दुड़ाराम ने अलग-अलग मांग पत्र पढ़ा। बात यहां तक ही सीमित नहीं रही। रैली के बाद इस कार्यक्रम के तीन प्रैस नोट जारी किए गए। बड़ोपल रैली को लेकर संगठन व पूर्व विधायक के बीच खींचतान और श्रेय लेने की होड़ लोगों में चर्चा का विषय रही। बता दें कि गांव बड़ोपल में 30 साल बाद किसी सीएम का कार्यक्रम हुआ है। इससे पूर्व 1995 में तत्कालीन सीएम भजनलाल यहां आए थे। शनिवार को हलके के गांव बड़ोपल की श्रीकृष्ण गौशाला में चारा अनुदान वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में कई मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद ने भाग लिया। कार्यक्रम अपनी तरफ से सफल रहा था लेकिन मंच पर लगाए गए फ्लैक्स में बीजेपी के जिला प्रधान सहित किसी भी पदाधिकारी का फोटो नहीं था। बैनर में सीएम के साथ एकमात्र पूर्व विधायक दुड़ाराम का ही फोटो था। बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए जब पूर्व विधायक व भाजपा संगठन के पदाधिकारी हैलीपेड पर पहुंचे तो वहां उन्होंने इस मुद्दे पर ऐतराज जताया और संगठन हाईकमान तक इस मामले को पहुंचाया गया। सूत्रों के अनुसार हाईकमान से कहा गया कि मंच पर लगाए गए फ्लैक्स को उतार दिया जाए लेकिन यहां फ्लैक्स उतारने की किसी की हिम्मत नहीं हुई।

कहां से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, पिछले दिनों भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बीजेपी के प्रैस नोट के बाद पूर्व विधायक दुड़ाराम ने भी अपना अलग से प्रैस नोट जारी कर दिया। इसमें केवल पूर्व विधायक का ही जिक्र था। यह प्रैस नोट बीजेपी हरियाणा की मेल आईडी के नाम से जारी किया गया था। भाजपा जिला प्रधान ने इसको अनुशासनहीनता करार दिया था और स्पष्टीकरण जारी किया था कि बीजेपी हरियाणा संगठन की अधिकृत मेल आईडी नहीं है। इसके बाद भी पूर्व विधायक द्वारा पिछले दिनों मीडिया को एक ओर अलग से प्रैस नोट जारी किया गया लेकिन थोड़ी बाद ही मीडिया को इसके निरस्त होने की मेल भेज दी गई।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

लाखों की चोरी का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना में मकान से लाखों रुपये के गहने चोरी करने के मामले को सुलझाते हुए टोहाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंगल उर्फ राजेश पुत्र राजू उर्फ पोनी तथा मोनू उर्फ मोनी पुत्र वीरभान निवासी बाबा बूटा बस्ती, वार्ड नं. 2, टोहाना के रूप में हुई है। इस बारे शिकायतकर्ता संजय पुत्र हरदेवा, निवासी आजाद नगर, वार्ड नं. 13, बीएसएनएल एक्सचेंज के नजदीक, टोहाना ने 18 अगस्त को थाना शहर टोहाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके घर से अज्ञात चोर सोना-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए।

बाइक चोरी के दो आरोपी किए गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरीशुदा बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहित उर्फ मोनू पुत्र ओमप्रकाश निवासी वार्ड नंबर 9, रामलीला ग्राउंड, ढक्की मोहल्ला, भुना और रवि पुत्र सुरजाराम निवासी गांव पिरथला के रूप में हुई है।

रक्तदान शिविर व हेल्थ चैकअप कैंप आयोजित

रतिया। शहर के संजय गांधी चौक स्थित नवदीप अस्पताल की प्रथम वर्षगांठ पर मंगलम ब्लड बैंक फतेहाबाद की टीम के सहयोग से रक्तदान कैंप व स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का शुभारम्भ फतेहाबाद की महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता दहमीवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ. ममता दहमीवाल ने कहा कि खून दान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि आपके द्वारा किए गए खून दान से जरूरतमंद मरीज की जान बचाई जा सकती है।

दहेज प्रताड़ना के मामले में आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। महिला थाना प्रभारी दर्शना देवी ने बताया कि जिला निवासी पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना सिरसा में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच एल/एएसआई पूजा द्वारा की गई। पूजा के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अजय पुत्र कर्ण सिंह निवासी पाबड़ा जिला हिसार को शामिल तफ्तीश करके गिरफ्तार किया गया है।

नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

चोपटा। राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कागदाना में शनिवार को जिला स्वास्थ्य विभाग, सिरसा के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी अजय सिंह ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और समाज के लिए भी घातक है। यदि विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही जागरूक किया जाए, तो एक स्वस्थ और नशामुक्त समाज की स्थापना की जा सकती है।

एमएम कॉलेज में नशामुक्त अभियान में स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

समाज को नशामुक्त करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : तरूण सिंगल

- अतिथियों ने विद्यार्थियों के बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रोत्साहित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में नशामुक्त अभियान के तहत आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथिगण।

नशामुक्त समाज अभियान के तहत मनोहर मैमोरियल कॉलेज में यूथ रेडक्रास की ओर से स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने स्लोगन और पोस्टरों के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्प्रभावों बारे बताया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एडीजे फतेहाबाद तरूण सिंगल एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. गीतू ने भाग लिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एमएम एजुकेशन सोसायटी के प्रधान राजीव बत्रा और सचिव विनोद मेहता एडवोकेट रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएम कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने की। यूथ रेडक्रॉस कोर्डिनेटर डॉ. मीनाक्षी कोहली ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए एडीजे तरूण सिंगल ने कहा कि नशा एक गंभीर समाजिक बुराई है। नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे इंसान का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। इसके कारण परिवार तक टूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशा रोकने में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। युवा न केवल नशे के खतरे के बारे में जागरूकता फैला सकते हैं, बल्कि वे खुद भी नशे से दूर रहकर एक सकारात्मक उदाहरण पेश कर सकते हैं। डॉ. गीतू ने कहा कि यदि समाज भी इस समस्या के खिलाफ एकजुट हो जाए, तो नशे पर काबू पाया जा सकता है। एक नशा मुक्त समाज न केवल स्वस्थ बल्कि सशक्त भी होता है। हमें इस दिशा में जागरूकता फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके। प्रधान राजीव बत्रा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि कॉलेज कैम्पस पूरी तरह से नशामुक्त है। यहां के विद्यार्थी न केवल स्वयं इसको लेकर जागरूक है बल्कि समय-समय पर अभियान चलाकर समाज के अन्य वर्गों को भी नशा छोडने के लिए जागरूक कर रहे हैं। यूथ रेडक्रास कोर्डिनेटर एवं कार्यक्रम की संचालक डॉ. मीनाक्षी कोहली ने अतिथियों का धन्यवाद किया। अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. श्रुति मोंगा, प्रो. शैंकी बंसल, प्रो. भारती और प्रो. पिंकी के नेतृत्व में किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. रोबिन आनंद, कैप्टन रजनी वर्मा, डॉ. विजय गोयल, डॉ. संध्या अग्रवाल, डॉ. भव्या मुखी, अनु जिंदल सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

सिरसा। विद्यार्थियों को कार्यक्रम के दौरान योग के महत्व बारे में बताते मुख्य वक्ता।

विद्यार्थियों को योग के महत्व की दी जानकारी

- सीएमके नेशनल कॉलेज में योग पर हुआ व्याख्यान
- मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को सिद्धयोग की विशेष तकनीकों से भी अवगत कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सीएमके नेशनल कॉलेज के योग क्लब एवं आध्यात्मिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरीश जोशी ने मुख्य वक्ता के तौर पर विद्यार्थियों को ध्यान और योग के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और बताया कि ध्यान न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि जीवन में एकाग्रता, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को सिद्धयोग की विशेष तकनीकों से भी अवगत कराया और उन्हें नियमित ध्यान करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. रंजना ग्रोवर ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के मानसिक और आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने बताया कि आज के समय में ध्यान आत्मिक शक्ति प्राप्त करने का सरल साधन है, जो विद्यार्थियों को जीवन में सफलता की ओर अग्रसर करता है। इस मौके पर आध्यात्मिक क्लब की संयोजिका बबीता मल्होत्रा ने कहा कि ध्यान और आध्यात्मिकता हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और हमें तनावमुक्त बनाती है। योग क्लब नोडल अधिकारी डॉ. दीपिका शर्मा व यूनिट इंचार्ज शालू मेहता ने कहा कि योग और ध्यान से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मन भी शांत और संतुलित रहता है। इसलिए विद्यार्थियों को इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाना चाहिए।

समाजसेवियों ने स्कूलों में लगवाए चार आरओ व दो पंखे

- प्रिंसिपल सतीश कुमार और मुख्य शिक्षिकों ने सभी दानदाताओं का धन्यवाद किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांडलीकला में आरो सिस्टम भेंट करते हुए दानवीर। *फोटो : हरिभूमि*

गांव जांडली कलां के समाजसेवियों ने एक बार फिर मिसाल पेश करते हुए गांव के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला में बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करवाई है। शनिवार को समाजसेवियों ने करीब 50 हजार रुपये की लागत से चार आरओ स्कूलों को भेंट किए। दानदाताओं में दयानंद बांगड़, जयपाल सोनी, बलवान मंडेरना व विकास कुमार ग्रेवाल शामिल रहे। इसके अलावा देशराज नंबरदार और प्रभुराम गुणपाल ने विद्यालय को दो पंखे दान में दिए, जो स्कूल की छत पर लगाए गए हैं ताकि मिड डे मील के समय बच्चों को गर्मी से राहत मिल सके। विद्यालय के प्रिंसिपल सतीश कुमार, मुख्य शिक्षिका सुदेश रानी व एसएमसी प्रधान विनोद कुमार मंडेरना ने सभी दानदाताओं का धन्यवाद किया और कहा कि गांव के सरकारी स्कूलों के विकास में समाजसेवियों, महिला सरपंच शीला भैरो, सरपंच प्रतिनिधि विजय कमांडो और ग्राम पंचायत का सराहनीय योगदान है। उन्होंने बताया कि पहले स्कूल में पानी की गुणवत्ता बहुत खराब थी, जहां टीडीएस का स्तर 970 तक पहुंच गया था, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक था। अब आरओ लगने से बच्चों को शुद्ध पानी मिलेगा।स्कूल प्रशासन ने कहा कि समाजसेवियों के सहयोग से स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं है।

हरियाणा में बढ़ता अपराध चिंताजनकः सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश में बढ़ती अपराध की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा में प्रस्तुत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि हरियाणा में रोजाना औसतन तीन हत्याएं, 11 अपहरण, चार दुष्कर्म और चार छेड़छाड़ की घटनाएं हो रही हैं। यह स्थिति बेहद गंभीर और चिंताजनक है। प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था को देखकर लग रहा है कि अपराधी बेखौफ होकर सरेआम वारदातों को अंजाम दे रहे है और सरकार आंख बंद करके बैठी है। हर चौराहे पर बैठे पुलिसकर्मी वाहनों के चालान काटने पर ज्यादा ध्यान दे रहे है जबकि उन्हें अपराधियों पर भी निगाह रखने चाहिए। मीडिया को जारी बयान में सांसद ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह असफल रही है। महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रही हिंसा और अपराध यह साबित करते हैं कि सरकार अपराध नियंत्रण में नाकाम है।

न्यूज डायरी

पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति की हुई बैठक

सिरसा। पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति की बैठक शनिवार को राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल ऐलनाबाद में हुई। बैठक में पिछले 3 वर्षों का लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष संदीप द्वारा रखा गया। मीनू झोरड़ के प्रधान पद से त्यागपत्र दिए जाने के कारण खंड प्रधान का पद रिक्त था, जिस पर पर आज सभी कर्मचारियों व अध्यापकों द्वारा सरताज सिंह बाजवा को सर्वसम्मति से खंड प्रधान का पद ग्रहण करवाया गया। इसके साथ स्कूल स्तर पर टीमों का गठन कर कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस मौके पर लड्डू बांट कर नवनियुक्त खंड प्रधान को विधिवत रूप से कार्यग्रहण करवाया गया।

राजकीय गर्ल्स कॉलेज में अर्थशास्त्र विषय परिषद गठित

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में शनिवार को अर्थशास्त्र विषय परिषद का गठन किया गया। महाविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर मोनिका गिल बताया कि परिषद गठन से पूर्व निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें बीए तृतीय वर्ष की छात्रा पूनम को अध्यक्ष, सुशीला को उपाध्यक्ष, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया रानी को सचिव, स्नेहा तनेजा को उपसचिव, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा को कोषाध्यक्ष चुना गया। इनके अलावा बीए तृतीय वर्ष की छात्रा किरण व बीए तृतीय वर्ष की छात्रा रिक्की को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दक्ष रहा अव्वल

फतेहाबाद। हरियाणा स्कूल गेम्स फैडरेशन द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें आर्यभट्ट हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने अव्वल प्रदर्शन करते हुए मेडल जीतकर स्कूल और अपने अभिभावकों का नाम रोशन करने का काम किया है। यह जानकारी देते हुए स्कूल प्रिंसीपल दीपिका झांब ने बताया कि कक्षा नौवीं के विद्यार्थी दक्ष ने फुटबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसके लिए उसे जिला स्तरीय टीम में चयनित किया गया है। अब वो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले की टीम में खेलेगा। प्रिंसीपल ने बताया कि स्कूल के छात्र मोहित ने रिले रेस में द्वितीय और तीन हजार मीटर रेस में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा शुभम वरुण, गर्व और अमन की टीम ने भी रिले रेस में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सहकारी बैंक अनुबंध कर्मचारी संघ ने जताया आभार

फतेहाबाद। सहकारी बैंक अनुबंध कर्मचारी संघ की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को सिरसा रोड, फतेहाबाद स्थित बैंक मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हाल में हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष नरेंद्र बूरा ने की। इस बैठक मे पूरे जिले से आए कर्मचारियों के अलावा प्रदेश महामंत्री नरेंद्र वशिष्ठ, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र जोड़ा, कार्यालय सचिव संदीप कुमार ने भाग लिया। बैठक का शुभारंभ प्रदेश महा मंत्री द्वारा भारत माता को दीप व पुष्प अर्पित करके किया गया। प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र वशिष्ठ ने प्रदेश सरकार द्वारा 1.20 लाख कर्मचारियों की जॉब सुरक्षा संबंधित एसओपी जारी करने पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से कर्मचारी वर्ग में खुशी का माहौल है।

नहरों में दो सप्ताह पानी सप्लाई को लेकर किसान मंच ने की बैठक

- बैठक की अध्यक्षता बाजसिंह कुरंगावाली ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। बैठक करते किसान मंच के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

नहरों में पानी की सप्लाई दो सप्ताह में छुड़वाने के लिए हरियाणा किसान मंच की बैठक गांव झिड़ी स्थित गुरुद्वारे में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बाजसिंह कुरंगावाली ने की। हरियाणा किसान मंच के प्रदेशाध्यक्ष बाबा गुरदीप सिंह झिड़ी ने कहा कि नहरों में दो सप्ताह से अधिक पानी की बंदी को लेकर हरियाणा किसान मंच की टीम लगातार आंदोलन कर रही है। नहरी विभाग के अधिकारियों से मिलकरनहरों में दो हफ्ते पानी की मांग की जा रही है। गुरदीप सिंह ने कहा कि सरकार की ओर से जो शैड्यूल बनाया गया है, वो किसानों के अनुकूल नहीं है। बाज सिंह ने कहा कि एक तरफ तो पंजाब सरकार फल्ड गेट खोलकर पंजाब के किसानों को डूबाने को प्रयासरत है, वहीं सिरसा जिले को उसके हिस्से का पानी नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी सप्ताह में फिर से मंच की टीम नहरी विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करेगी। इसके साथ-साथ गांवों में सरकार द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का भी विरोध किया जाएगा। किसानों की समस्याओं को लेकर 31 अगस्त को नरवाना में कन्वेंशन हो रही है, जिसमें जिलेभर के किसान बढ़चढ कर हिस्सा लेंगे। इस मौके पर मग्घर सिंह कुरंगावाली, जसपाल सिंह प्रधान बप्पां, नैब नंबरदार मलड़ी प्रधान, रूप सिंह नागोकी प्रधान, दलबीर सिंह सूबाखेड़ा प्रधान, हरजंट सिंह किराडक्रोट, सिकंदर सिंह भीमा, मंदर सिंह भीमा, गुरजंट सिंह भीमा आदि मौजूद रहे।

एमए हिन्दी में विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में पाया स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा द्वारा घोषित एम.ए. हिन्दी स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणाम में शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, रतिया की चार छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की टॉप टेन मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। कॉलेज की छात्रा पूजा रानी ने 87.50 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, आरती रानी ने 86 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय, ज्योति रानी ने 85.40 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ स्थान एवं नगीता रानी ने 84.20 प्रतिशत के साथ नवम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. परमजीत संधा ने छात्राओं, प्रो. सुरेन्द्र शर्मा, डॉ. सैन कुमार और प्रो. सरबजीत कौर को बधाई देते हुए कहा यह सफलता छात्राओं की लगन, परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। हमारी छात्राओं ने यह सिद्ध किया है कि निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

पुत्र लालसा, दहेज प्रथा, पुत्र ही वंश को आगे बढ़ाएगा जैसी सोच कन्या भ्रूण हत्या का कारण : सुरेखा

- कन्या भ्रूण हत्या रोकने व गिरते लिंगानुपात में सुधार को लेकर आशा वर्कर यूनियन का जत्था 3 को पहुंचेगा फतेहाबाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। सेमिनार को संबोधित करते आशा वर्कर यूनियन की नेता। *फोटो : हरिभूमि*

कन्या भ्रूण हत्या रोकने और गिरते लिंगानुपात में सुधार को लेकर आशा वर्कर यूनियन द्वारा शनिवार को शहीद चंद्रशेखर आजाद भवन, फतेहाबाद रोड, भूना में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने की जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य महासचिव सुरेखा ने भाग लिया। सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या और गिरता लिंगानुपात समाज के लिए बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि लिंगानुपात की असमानता व कन्या भ्रूण हत्या अनेक कुरीतियों व बुराइयों को जन्म देती है। इनकी जड़ में पुत्र लालसा, दहेज प्रथा, पुत्र ही वंश को आगे बढ़ाएगा, लड़कियों को कमतर दिखाना आदि मुख्य कारण है। उन्होंने बताया कि संविधान ने तो पुरुष-महिला, लडक़ा-लडक़ी को बराबर अधिकार दिए हैं व समान कानून उनके लिए बनाए हैं, लेकिन समाज में वर्ण व्यवस्था व मनुवादी सोच परोसी जा रही है, रूढ़िवादी सोच व अन्धविश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनके चलते लड़कियों व महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक समझा जाता है, उन्हें सम्पत्ति में हिस्सा न मिलना व आत्मनिर्भर न होना भी उन्हें असमानता का शिकार बनाता है।

सेमीनार को इन्होंने भी किया संबोधित

सेमिनार को सीटू के जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा, सुनीता भोजराज, अनीता इंदाछुई, इंदु, नीमा टोहाना, सुमन धारनियां, कमल रतिया, सुदेश नहला, सुनीता लहरियां, राजबाला दहमन, दर्शना जांडली कलां, राजबाला एमपी रोही, सुमित्रा बड़ोपल, किसान नेता जगतार सिंह, सीटू जिला प्रधान जगीर सिंह, जिला उप प्रधान धर्मपाल, मदन सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आधारित फैकल्टी डेवलपमेट प्रोग्राम का तीसरा दिन

सीडीएलयू में मानव मूल्यों, मानसिक स्वास्थ्य और अध्यात्म पर हुई चर्चा

स्वस्थ शरीर, आत्मनियमन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, और सामाजिक संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। कार्यक्रम में भाग लेते कुलपति व अन्य गणमान्य लोग। *फोटो : हरिभूमि*

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आधारित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने किया। कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं।

उन्होंने स्वस्थ शरीर, आत्मनियमन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, और सामाजिक संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ट्रस्ट, रिस्पेक्ट, द राइट इवैल्यूएशन और सहयोग की भावना पर विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से विस्तारपूर्वक चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इन मूल्यों को अपनाने से जीवन में नैतिकता, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होते हैं, जो विद्यार्थियों और समाज दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम की दूसरी वक्ता साध्वी राजविंदर भारती, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान से थीं। उन्होंने अपने प्रेरक विचार रखते हुए कहा कि आज के युग में जब मानव ने बाहरी स्तर पर युद्ध के लिए हथियार, तकनीक और संसाधन जुटा लिए हैं, वहीं भीतर के युद्ध क्रोध, ईर्ष्या, नकारात्मकता और तनाव से लड़ने की शक्ति खो बैठा है। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना आज केवल आवश्यकता ही नहीं, बल्कि समाज की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में विभिन्न विभागों से आए बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को मानवीय मूल्यों, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तित्व विकास और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रो. बीके शर्मा तथा आब्जर्वर डॉ. चरणजीत मदान ने मनवीय मूल्यों के समावेश के विभिन्न पहलुओ पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. राजकुमार, प्रो. राजबीर दलाल, स्वामी प्रेम प्रकाशानंद, साध्वी संतोष भारती, प्रो. श्यामलाल फुटेला तथा कोर्डिनेटर डॉ. रविंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

चौ. देवीलाल जयंती का दिया निमंत्रण

रानियां। रानियां के विधायक अर्जुन सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा के वास्तविक विकास की नींव चौधरी देवीलाल व पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला ने रखी थी और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं बनाकर उन्हें लागू किया जिससे सभी वर्ग लाभान्वित हुए। अर्जुन चौटाला शनिवार को दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत पहले दिन गांव भंभूर, नानकपुर, टीटूखेड़ा, ढाणी भुल्लर, अबूतगढ़, धनूर, ढाणी बंगी, धोत्तड़, सुल्तानपुरिया, नानुआना, मंगालिया, फतेहपुरिया आदि अनेक गांवों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही समाधान भी किया।

अध्यापक के घर से नकदी व आभूषण चोरी

सिरसा। शहर के कीर्तिनगर स्थित एक सरकारी अध्यापक के मकान से चोर हजारों की नकदी व आभूषण चुरा कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में कीर्ति नगर गली नंबर 6 निवासी धर्मवीर ने बताया कि वह अलसुबह किसी काम से बाहर गया हुआ था और घर पर नहीं था। पिता ओमप्रकाश घर के बाहर बने नीचे वाले कमरे में सो रहे थे। उसकी पत्नी व दोनों बच्चे छत के ऊपर बने कमरे में सो रहे थे। तब बाइक पर तीन अज्ञात युवक आए और घर के मेन गेट का ताला तोडक़र अंदर घुस गए। उस दौरान एक युवक गेट के बाहर खड़ा रहा और बाकी दोनों युवक अंदर चले गए। इस दौरान घर में रखी अलमीरा व संदूक से करीब 25 हजार रुपए की नकदी व साढे तीन तोले आभूषण चोरी कर ले गए।

सुमन मित्तल ने 75वीं बार किया रक्तदान

सिरसा। समाजसेवी सुमन मित्तल ने राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर सद्भावना भवन में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 75वीं बार रक्तदान कर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। मित्तल ने बताया कि वैसे तो उन्हें हर बार रक्त दे कर संतुष्टी का अनुभव होता है पर इस बार बाबा के घर में रक्तदान कर अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि 64 वर्ष की उम्र में रक्त दे कर भी उन्हें किसी तरह की कमजोरी का अनुभव नहीं हो रहा। ब्रह्माकुमारी प्रीति, बीके सुभाष, बलदेव डाबरा, डॉ. आरएम अरोड़ा, अनिल जैन व अन्य ने सुमन मित्तल को उनके इस पुनीत कार्य के लिए प्रसंशा की।

शनिश्चरी काली अमावस्या पर हुआ हवन यज्ञ

ओढां। भाद्रपद बदी की शनिश्चरी काली अमावस्या पर इच्छापूर्ण शनिदेव सेवा समिति ओढ़ा ने हवन यज्ञ का आयोजन किया। पंडित राजिंद्र प्रसाद वाजपेयी व दीपक कुमार ने पूजा अर्चना के साथ मुख्य सेवादार रमेश गर्ग व उपस्थित लोगों के हाथों मंत्रों उच्चारण के साथ हवन यज्ञ में आहुतियां डलवाई। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया और बाबा जी का अटूट भंडारा वरताया गया। मंदिर के पुजारी दीपक भृगुवंशी ने बताया कि अमावस्या तिथि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है, इसे पितरों को प्रसन्न करने, दान-पुण्य करने, व्रत रखने और धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए शुभ माना जाता है। पितृ कार्य, गंगा स्नान और तर्पण करते है।

पंचगव्य उत्पादन के लिए 101 गोशालाओं को 6.50 करोड़ की अनुदान राशि जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोशाला में की गोसवा

फतेहाबाद। गौशाला चारा अनुदान वितरण समारोह में जनता का अभिवादन स्वीकार करते सीएम नायब सिंह सैनी व गौशाला चारा अनुदान वितरण समारोह के दौरान गो-सेवा करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी।

मुख्यमंत्री शनिवार को जिला फतेहाबाद में श्री कृष्ण गौशाला, बड़ोपल में गौशालाओं को चारा अनुदान राशि वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में डबल इंजन सरकार गाय, गीता और गंगा के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में गौशालाओं को चारे के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए मांग अनुसार मशीनरी खरीद के लिए मदद दी जा रही है। पंचगव्य उत्पादन के लिए 101 गौशालाओं को 6 करोड़ 50 लाख रुपये की मशीन खरीदने की अनुदान राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि साढ़े 10 वर्षों में चारे के लिए 358 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि अनुदान के रूप में दी जा चुकी है। 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट लगाए गए हैं और शेष बची गौशालाओं में यह काम शीघ्र शुरू करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देसी नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 तक प्रदेश में केवल 215 पंजीकृत गौशालाओं में एक लाख 75 हजार गौवंश था। प्रदेश सरकार ने पिछले दस वर्षों में इसमें ईजाफा किया है और इस समय प्रदेश में 686 पंजीकृत गौशालाएं हैं। इनमें 4 लाख बेसहारा गौवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। वर्ष 2014-15 में गौ सेवा आयोग के लिए केवल 2 करोड़ रुपये का बजट था, जिसे वर्तमान सरकार ने बढ़ाकर 595 करोड़ रुपये किया है। प्रदेश सरकार ने गौवंश के पुनर्वास के लिए 200 गौशालाओं को शैड बनाने के लिए दस लाख रुपये प्रति गौशाला को अनुदान दिया है। इनमें से 51 गौशालाओं में शैड बनकर तैयार हो चुका है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को 800 ई-रिक्शा दी जाएगी। इसके लिए खरीद प्रक्रिया जारी है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जिला फतेहाबाद के गांव बड़ोपल में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बड़ोपल उनका पैतृक गांव है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, हरियाणा अनुसूचित आयोग के चेयरमैन प्रो. रविन्द्र बलियाला, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, चैयरमैन भारत भूषण मिड्ढा, चेयरमैन वेद फुल्ला व अन्य मौजूद रहे।

बैजलपुर के ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, कार्रवाई की मांग

करोड़ों की लागत से बने इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम पर ताला, खिलाड़ी मायूस

हरिभूमि न्यूज ⏭ दलबीर सिंह/भूना

भूना। बैजलपुर गांव में बना इंटरनेशनल स्तर का 3डी ब्लू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम

गांव बैजलपुर में बना इंटरनेशनल स्तर का 3डी ब्लू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आज भी एक अधूरा सपना बना हुआ है। करीब साढ़े सात करोड़ रुपए की लागत से बना यह स्टेडियम पूरी तरह तैयार खड़ा है, लेकिन खेल विभाग द्वारा टेकओवर न किए जाने के कारण मैदान पर ताले जड़े हैं और खिलाड़ी सिर्फ उसे दूर से निहारने को मजबूर हैं। स्थानीय खिलाड़ी और कोच रण सिंह ओला का कहना है कि जब मैदान सामने तैयार खड़ा है और खेल शुरू होने को हैं, ऐसे में अभ्यास न मिलने से खिलाड़ियों का मनोबल टूट रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अधर में लटक सकती है। चार एकड़ में फैले इस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक सुविधाएं दी गई हैं। मैदान पर 3डी ब्लू एस्ट्रोटर्फ बिछाई गई है, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसके साथ ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर सिस्टम, दर्शकों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग ड्रेसिंग रूम, बाथरूम और शौचालय की सुविधा भी दी गई है। सुरक्षा के लिए चारों ओर लोहे की ग्रिल, मुख्य द्वार, इमरजेंसी गेट और खिलाड़ियों के लिए अलग एंट्री गेट बनाए गए हैं।

8 सितंबर से प्रस्तावित स्कूली खेल, लेकिन मैदान पर ताले

खेल विभाग के लिए सबसे बड़ी विडंबना यह है कि 8 सितंबर से राज्य स्तरीय स्कूल गेम्स यहीं आयोजित होनी हैं, लेकिन मैदान पर अब तक ताले लगे हैं। स्थानीय खिलाड़ी, कोच और ग्रामीणों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि जब करोड़ों रुपए खर्च कर स्टेडियम तैयार कर दिया गया है, तो अब उसे खिलाड़ियों को सौंपने में देरी क्यों? फिलहाल स्टेडियम को लेकर सारा मामला पंचकूला में बैठे अधिकारियों के फैसले पर टिका है।

पंचायत ने दी जमीन, विभाग हिचकिचा रहा टेकओवर से

बैजलपुर ने स्टेडियम निर्माण के लिए 48 कनाल जमीन 33 साल के पट्टे पर खेल विभाग को दी, लेकिन खेल विभाग अब इसे टेकओवर करने से पीछे हट रहा है। सरपंच हेमंत सिंह बैजलपुरिया ने बताया कि विभागीय लापरवाही के चलते लाखों का रखरखाव खर्च भी बर्बाद जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का भविष्य दांव पर है और सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए।

जिला स्तर पर बजट का अभाव: डीएसओ

इस पूरे विवाद पर जिला खेल अधिकारी विष्णु दास का कहना है कि स्टेडियम का मासिक रखरखाव खर्च लाखों में है और बजट स्वीकृति के बिना टेकओवर संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर मंजूरी मांगी गई है, आदेश मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

निर्माण एजेंसी की ओर से जिम्मेदारी पूरी

गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता हृदयेश कुमार निगोतिया ने कहा कि सामाजिक सरोकार विंग की निर्माण एजेंसी की देखरेख में स्टेडियम पूरी तरह बनकर तैयार है और खेल विभाग को टेकओवर करने का पत्र भी भेजा जा चुका है। आदेश मिलते ही उद्घाटन कर दिया जाएगा।

ग्रामीणों, खिलाड़ियों और स्कूल प्रशासन की मांग है कि सरकार जल्द आदेश जारी कर स्टेडियम का उद्घाटन कराए।

रोहण का स्टेडियम बदहाल, युवा परेशान

सिरसा। जिला कगांव रोहण में युवाओं के लिए सरकार की ओर से बनाए गए स्टेडियम प्रशासनिक अनदेखी के कारण बदहाली की कगार पर हैं। यही नहीं सरपंच परमजीत कौर द्वारा भी प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया। गांव निवासी हरप्रीत सिंह रोहन प्रधान, हरप्रीत सिंह उर्फ पीता, अर्शदीप सिंह, सिकंदर सिंह, निर्मल सिंह बाजीगर, फौजा सिंह ने बताया कि गांव रोहण में स्थित स्टेडियम की सार-संभाल न होने के कारण घास-फूस उग आया है, जिसके कारण युवाओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं ने बताया कि एक तरफ तो सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्टेडियम व व्यायामशालाओं पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन रख-रखाव नहीं होने के कारण सरकार के प्रयास विफल ही साबित हो रहे हैं। बड़ी बात ये है कि समस्या संबंधी ग्राम सरपंच परमजीत कौर भी कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवा चुकी हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। बार-बार अवगत करवाने के बाद भी समस्या की ओर गौर न करने से स्पष्ट हो रहा है कि सरकार ध्यान नहीं दे रही।

फतेहाबाद। बैठक को संबोधित करते सर्व कर्मचारी संघ के राज्य अध्यक्ष धर्मबीर फोगाट।

कर्मचारियों के हित में नहीं यूपीएस : धर्मबीर फोगाट

- सर्व कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक, आगामी आंदोलनों को लेकर चर्चा

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद

सर्व कर्मचारी संघ जिला फतेहाबाद कार्यकारिणी की बैठक आज जिला प्रधान भूप सिंह भड़ोलांवाली की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव सुरजीत दुसाद ने किया। मीटिंग में सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित सभी विभागों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में कर्मचारियों की मांगों और आगामी आंदोलनों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से पहुंचे सकसं के राज्य अध्यक्ष धर्मबीर फोगाट ने बताया कि केन्द्र सरकार ने दिल्ली चुनाव के दौरान 8वें पे कमीशन की घोषणा की थी, लेकिन आज तक कोई कमेटी भी नहीं बैठाई गई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लगातार पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं लेकिन सरकार द्वारा ओपीएस की बजाय यूपीएस लागू की गई है जोकि एनपीएस से भी खतरनाक है। इसी प्रकार अन्य कर्मचारी व जनता विरोधी नीतियों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ द्वारा 9 जुलाई को हड़ताल की थी। इस हड़ताल में देशभर में 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था लेकिन सरकार कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। ऐसे में संघ ने आंदोलन को फिर से तेज करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर 29 अगस्त को सभी विभागों में गेट मीटिंग आयोजित की जाएगी व 23 सितम्बर को सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिये जाएंगे। सर्व कर्मचारी संघ के सभी ब्लॉकों के सम्मेलन 20 सितम्बर तक करवाने बारे चर्चा की गई। इस मीटिंग में जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण जाखड़, राज्य वरिष्ठ उपप्रधान रमेश तोषामड, रामनिवास शर्मा यूनिट सचिव एचवीपीएन, भट्टू खंड प्रधान हरपाल हुड्डा, टोहाना प्रधान कृष्ण चमार खेड़ा, भूना से संजय, पूर्व प्रधान बेगराज, जिला सलाहकार पृथ्वी सिंह बाना आदि कर्मचारी नेताओं ने अपने विचार रखे।

बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने सीएम नायब सिंह सैनी को सौंपा मांग पत्र

फतेहाबाद। बड़ोपल में आयोजित समारोह में बीजेपी जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने फतेहाबाद की तीनों विधानसभाओं की जनता की मांगों को लेकर सीएम नायब सिंह सैनी को मांग पत्र सौंपा। प्रवीण जोड़ा ने सीएम सैनी के समक्ष मांग रखी कि गांव बड़ोपल में पशुपालन विभाग के अधीन बनने वाले वन्य जीव ट्रीटमेंट सेंटर का नाम ब्रह्मलीन संत ऋषि संत राजेन्द्रानंद महाराज की पावन स्मृति में रखा जाए। इस पर सीएम सैनी ने इसे स्वीकृति प्रदान कर दी। इसके अलावा प्रवीण जोड़ा ने मांग रखी कि फतेहाबाद के भोडिया गांव में स्थित महिला कॉलेज में अभी स्थाई स्टाफ की नियुक्ति, सरकारी कॉलेज का अलग से भवन निर्माण कार्य शुरू करने हेतु जल्द से जल्द टेंडर लगवाने की मांग की गई। इसके अलावा ग्राम पंचायत जांडवाला बागड़ में ड्रेन के किनारों को आबादी क्षेत्र में पक्का करवाने, गांव चिंदड़, बड़ोपल, खाराखेड़ी आदि गांवों को सेम के पानी निकासी हेतु नई आरसीसी पाइप लाइन गांव चिंदड़ से किशनगढ़ बांध तक डालने की मांग की गई। फतेहाबाद नगर के हुडा सेक्टर, अल्का सिटी एवं सोमा सिटी के वासियों को जल्द से जल्द बूस्टिंग स्टेशन बनवाकर कालोनीवासियों को गहरी पानी की सप्लाई शुरू करवाएं। फतेहाबाद नगर में पिछले वर्ष से संबंधित स्वर्णकार समाज एवं छिमा समाज को धर्मशाला निर्माण हेतु भूमि प्रदान की जाए। लेबर कोर्ट एवं जिला उपभोक्ता न्यायालय का भवन वर्तमान न्यायालय परिसर में ही बनवाया जाए। भिरडाना गांव फतेहाबाद, आबादी लगभग 20 हजार से अधिक है और मतदाता 10 हजार से अधिक हैं। इस गांव भिरडाना को उप तहसील बनाए जाने की मांग भी गई। रत्तिया में छात्र छात्राओं को आईटीआई के लिए बाहर जाना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। रत्तिया में आईटीआई कॉलेज का निर्माण करवाया जाए व रत्तिया क्षेत्र में एक नशा मुक्ति केन्द्र बनवाया जाए। खंड नागपुर को शैक्षणिक खंड के रूप में मान्यता देकर खंड शिक्षा अधिकारी की नियुक्ति करने की मांग भी उठाई गई।

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने सीएम के समक्ष रखी छह मांगे, सीएम बोले : फिजिबिलिटी जाचेंगे

फतेहाबाद। गांव बड़ोपल में आयोजित गौशाला चारा अनुदान वितरण समारोह के दौरान पूर्व विधायक दुड़ाराम ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने 6 मांगों को रखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपये देने की महत्वपूर्ण घोषणा की वहीं दुड़ाराम की मांगों पर उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों द्वारा इनकी फिजिबिलिटी चेक करके जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। दुड़ाराम के अनुसार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सेम की समस्या को दूर करने के लिए सोलर पंप लगाकर पानी निकालकर समस्या को दूर करने की घोषणा की। इस संबंध में उन्होंने हरेडा विभाग के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। खेत खलिहान योजना के तहत रास्ता बनाने की बात हो या अस्पताल की मंजूरी की बात, सभी कार्यों को जल्द से जल्द किया जाएगा। दुड़ाराम ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव में स्थित वन्य जीव सेंटर को स्वामी राजेंद्रानंद महाराज के नाम पर करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। दुड़ाराम ने कहा कि वर्तमान सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के पास पर्याप्त संसाधन हैं जिससे सभी विकास योजनाओं को समय पर पूरा किया जा सकता है। दुड़ाराम ने बताया कि जिले में स्थित 65 गौशालाओं में से फतेहाबाद हल्के में 45 गौशालाएं हैं। हल्के में कुल 53 गांव हैं और फतेहाबाद हल्के के लोग सुबह की शुरुआत गायों की सेवा करके करते हैं। दुड़ाराम ने कहा कि 1995 के बाद पहली बार कोई मुख्यमंत्री इस गांव में आया है। उन्होंने बताया कि इस गांव में उनकी ससुराल भी है।

रासलीला का समापन, वृंदावन से आए कलाकारों ने श्रद्धालुओं का मन मोहा

हरिभूमि न्यूज. रतिया

रतिया। रासलीला के समापन पर प्रस्तुति देते कलाकार।

श्री राधा कृष्ण सेवा आश्रम, अरोड़ा कॉलोनी में चल रही नौ दिवसीय रासलीला का समापन स्वामी श्याम सुंदर दास महाराज की अध्यक्षता में हुआ। समापन अवसर पर भगवान श्री कृष्णा तथा सुदामा की मित्रता के सजीव चित्रण के साथ मथुरा वृंदावन से आए 20 कलाकारों ने सैंकड़ो श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भगवान श्री कृष्ण ने अपने पुराने सहपाठी सुदामा को गले लगाकर तथा उसकी गरीबी दूर करके भगवान की दया का विस्तार से वर्णन किया गया। इस अवसर पर सुंदर-सुंदर झांकियां निकाली गई तथा लोगों को परमात्मा से जुडने की प्रेरणा दी गई। स्वामी श्याम सुंदर दास महाराज ने कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों में राधा रानी कथा कृष्ण की लीला का प्रचार करना है तथा साथ-साथ लोगों की सेवा करना उनका उद्देश्य है। अयोध्या से आए संत राधा वल्लभ ने भी राम की गाथा का वर्णन किया। लोगों ने रासलीला को दिल से पसंद किया तथा इस बार-बार करवाने के लिए आश्रम से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण की लीला को देखकर प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर हुई कार्यशाला

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। यदि हम एकजुट होकर परिश्रम और विश्वास के साथ आगे बढ़ें तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने बच्चों को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भारत ने वर्ष 1969 में इसरो की स्थापना की। 1975 में पहला उपग्रह आर्यभट्ट प्रक्षेपित किया गया। इसके बाद भास्कर, रोहिणी, इनसैट, जीसैट, मंगलयान, गगनयान, चंद्रयान-1, चंद्रयान-2 जैसी कई ऐतिहासिक सफलताएं हासिल की गई। 2014 में मंगलयान के जरिए भारत एशिया का पहला और विश्व का चौथा देश बना जिसने पहली बार में ही मंगल की कक्षा में उपग्रह स्थापित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9253681005, 7988727916

रानियां रोड पर युवक से छीनाझपटी, केस

सिरसा। शहर के रानियां रोड क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की जेब काटने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में विजय कंबोज ने बताया कि वह इलेक्ट्रॉनिक का मिस्त्री है। उसके चाचा लेखराज बाहर विदेश यूएसए में रहते हैं। उनकी गांव में कोठी है और उनका मकान बनवाया था। इसके बदले उन्होंने डॉलर दिए हुए हैं। ऐसे में जरूरत पडने पर उनको सिरसा के रिया मनी में बदलवा लेते हैं। बीते दिवस वह ऐलनाबाद से डॉलर बदलवाने के लिए बाइक पर सवार होकर सिरसा आ रहा था। उस समय उसकी पजामा-कुर्ते की जेब में 500 डॉलर यानी 35 हजार रुपए थे। जब वह रानियां रोड पर प्राचीन मंदिर के पास पहुंचा तो पीछे से ब्लैक स्पलेंडर पर सवार होकर तीन युवक आए और छीनाझपटी कर पैसे ले गए।

प्राथमिक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग

डीईओ से मिला राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल, लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद

फतेहाबाद। शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र सौंपते प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला फतेहाबाद के प्रतिनिधिमंडल ने आज जिला प्रधान योगेंद्र वर्मा के नेतृत्व में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई से मुलाकात की और शिक्षकों की लंबित मांगों को विस्तार से उनके सामने रखा। संघ ने शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इन मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। जिला प्रधान योगेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्राथमिक शिक्षकों की बहुत-सी मांगें काफी समय से लंबित हैं जिनमें से प्रमुख मांग प्राथमिक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जो काफी समय से लंबित है, उसे अविलंब जारी किया जाए। शिक्षकों के एसीपी मामलों का निपटान बहुत धीमी गति से किया जा रहा है, एसीपी मामलों का निपटान शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने कहा कि मेडिकल री इंबर्समेंट बिलों में माता-पिता की बुढ़ापा पेंशन की वजह से ऑब्जेक्शन लगाए जाते हैं जोकि गलत है क्योंकि एक तरफ तो सरकार कहती है कि यह वृद्धावस्था सम्मान भत्ता है, इसलिए बुढ़ापा पेंशन को फैमिली आय गिना जाना ही अनुचित है। इसकी वजह से शिक्षकों को अपने परिवार या स्वयं पर किए गए इलाज खर्च को मिलने में समस्याएं आ रही हैं इन्हें दूर किया जाए व मेडिकल बिलों का निपटान शीघ्रता किया जाए। विद्यालयों को हर हित स्टोर से जो राशन सप्लाई किया जाता है, उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं होती तथा रेट भी बाजार भाव से अधिक होते हैं, इसलिए बाजार से गुणवत्ता एवं रेट की तसल्ली के पश्चात राशन खरीदने की छूट दी जाए ताकि विद्यार्थियों को अच्छी क्वालिटी का व उचित दर का राशन प्राप्त हो।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

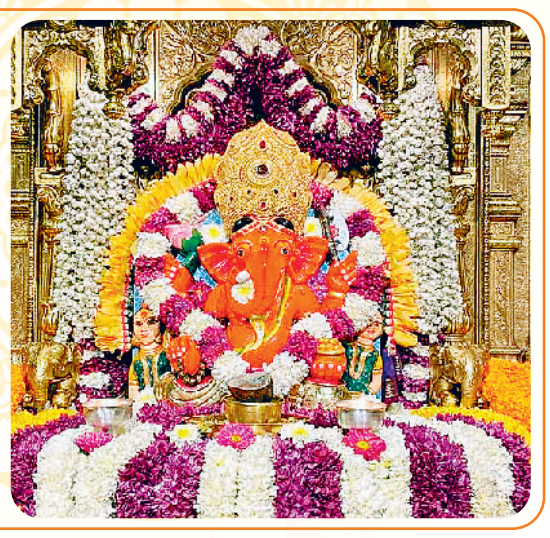

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

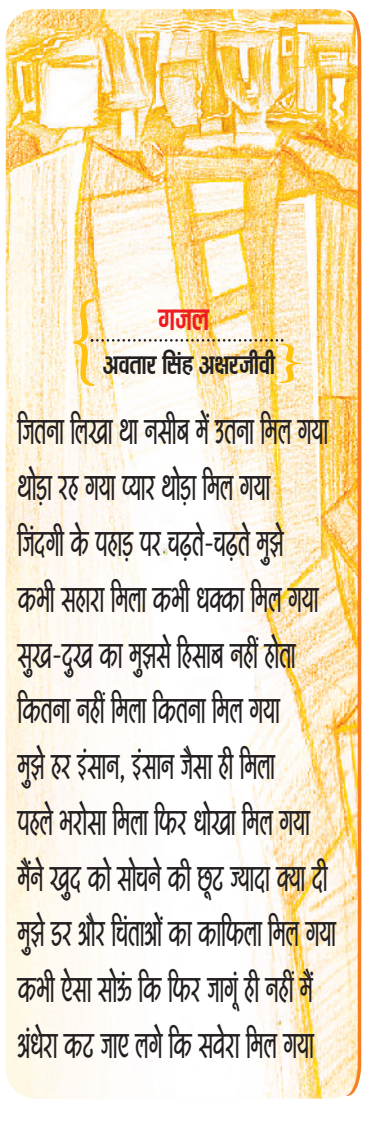

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

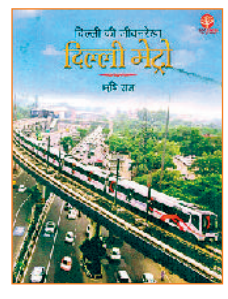

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

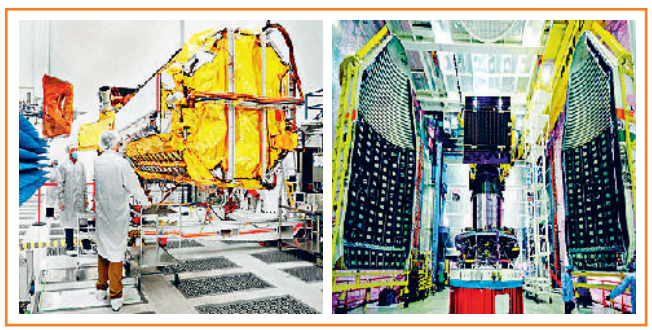

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

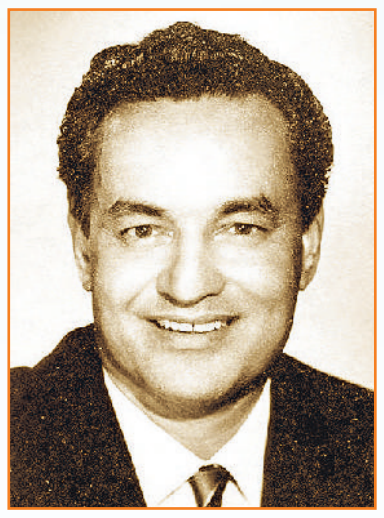

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *